यमुना बनी नाला, पानी भी सूखा

■ विस, नई दिल्ली : गर्मियों के इस सीजन में कई मौकों पर यमुना सूखी दिखाई दी। यमुना का जलस्तर रेकॉर्ड स्तर पर कम हुआ। यही वजह रही कि यमुना में बीओडी (बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड) का स्तर जून में तय मानकों से 18 से 27 गुना तक अधिक रहा। बीओडी जितनी ज्यादा होती है, प्रदूषण उतना ज्यादा होता है।

इसके अलावा, यमुना में कई घाटों पर डिजाल्वड ऑक्सीजन यानी पानी में ऑक्सीजन पाई ही नहीं गई। वजीराबाद के आगे बढ़ते हुए यमुना की हालत खराब होती गई। इसके बिना पानी में रहने वाले जीव खतरे में आ जाते हैं। पानी में 4 एमजी प्रति लीटर से कम ऑक्सीजन होने के बाद नदी में जीवों का मरना शुरू हो जाता है।

इस साल यमुना में पानी का हाल यह रहा कि 29 जून के आसपास वजीराबाद तलाब में जलस्तर महज 666.80 फीट रह गया। यह 1965 के बाद से सबसे कम जलस्तर है। राजधानी में यमुना का सबसे साफ स्तर भी पल्ला और वजीराबाद में ही देखने को मिलता है। इसके बाद यमुना किसी नाले से कम नहीं है।

डीपीसीसी की जून 2022 की रिपोर्ट में भी यमुना की हालत बद से बदतर सामने आई है। पल्ला से आईएसबीटी पहुंचने तक दोनों जगहों पर प्रदूषण के स्तर में कई गुना तक अंतर दर्ज किया गया। एक्सपर्ट के अनुसार यमुना को साफ करने के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, वह काफी नहीं हैं। अगर यही रफ्तार रही तो यमुना को साफ करने का ख्वाब सपना ही रह जाएगा।

वजीराबाद के आगे बढ़ते हुए खराब होता गया पानी

- डीपीसीसी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा, साफ होना मुश्किल
- तय मानकों से 18 से 27 गुना तक अधिक मिला बीओडी
- कई घाटों पर पानी में ऑक्सीजन पाई ही नहीं गई

एक्सपर्ट के अनुसार यमुना को साफ करने के लिए उठाए जा रहे कदम नाकाफी

कहां कितना दर्ज किया गया प्रदूषण

जगह	पीएच	बीओडी	डीओ
पल्ला	7.33	2.8	8.6
वजीराबाद	7.38	8.8	5.1
आईएसबीटी ब्रिज	6.95	60	मौजूद नहीं
आईटीओ ब्रिज	7.24	54	0.6
निजामुद्दीन ब्रिज	7.30	63	मौजूद नहीं
ओखला ब्रिज	7.28	73	मौजूद नहीं
आगरा कनाल ओखला ब्रिज	7.20	66	मौजूद नहीं
यमुना असगरपुर	7.19	83	मौजूद नहीं
तय मानक	6.5-8.5	3 या उससे कम	5 या उससे अधिक

*यूनिट एमजी प्रति लीटर में है

nwda.gov.in